# ISWK SHARING KNOWLEDGE

## Class 7 वसंत भाग-2

## Subject- Hindi Second Language

## Topic-

# एक तिनका

अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

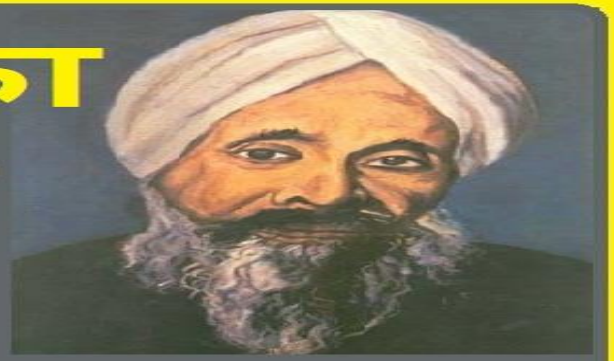

DATE- 7/04/2021
TO
15/04/2021

• By- नीलम सौंखला

©ISWK

# एक तिनका

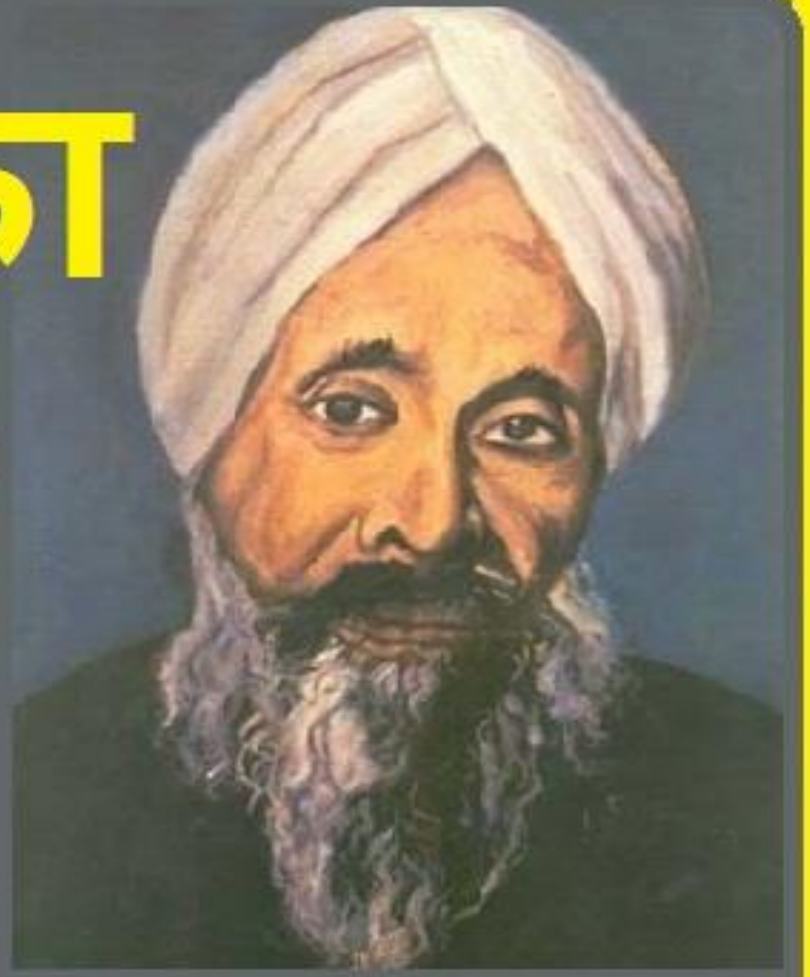

## अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध'

मैं

एक दिन जब था मुँडेर पर खड़ा।
आ अचानक दूर से उड़ता हुआ,
एक तिनका आँख में मेरी पड़ा।

मैं झिझक उठा, हुआ बेचैन-सा,
लाल होकर आँख भी दुखने लगी।
मूँठ देने लोग कपड़े की लगे,
ऐंठ बेचारी दबे पाँवों भगी।

जब किसी ढब से निकल तिनका गया,
तब 'समझ' ने यों मुझे ताने दिए।
ऐंठता तू किसलिए इतना रहा,
एक तिनका है बहुत तेरे लिए।

© NCERT not to be republished

हवा में उड़ते हुए
तिनके -----

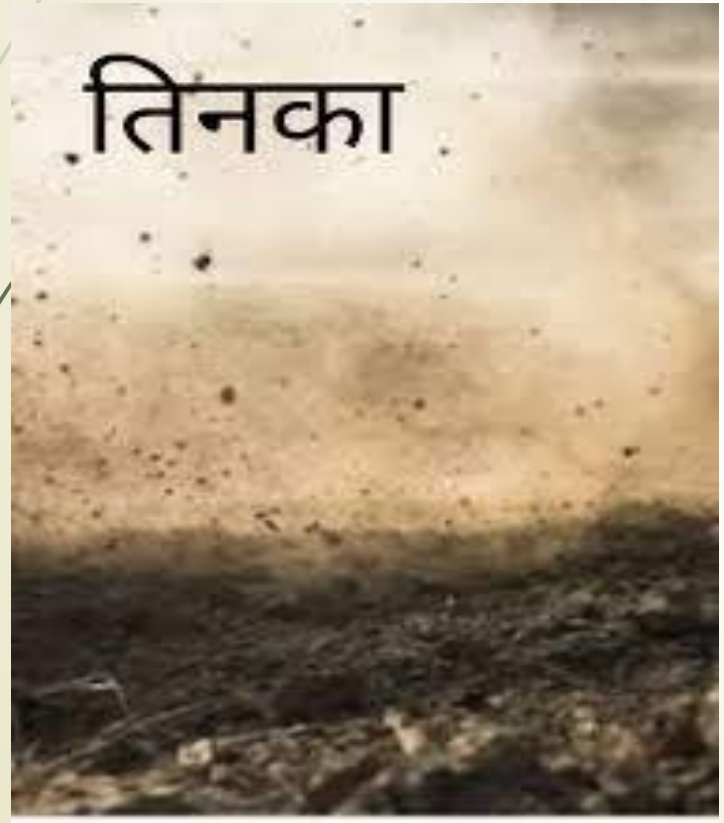


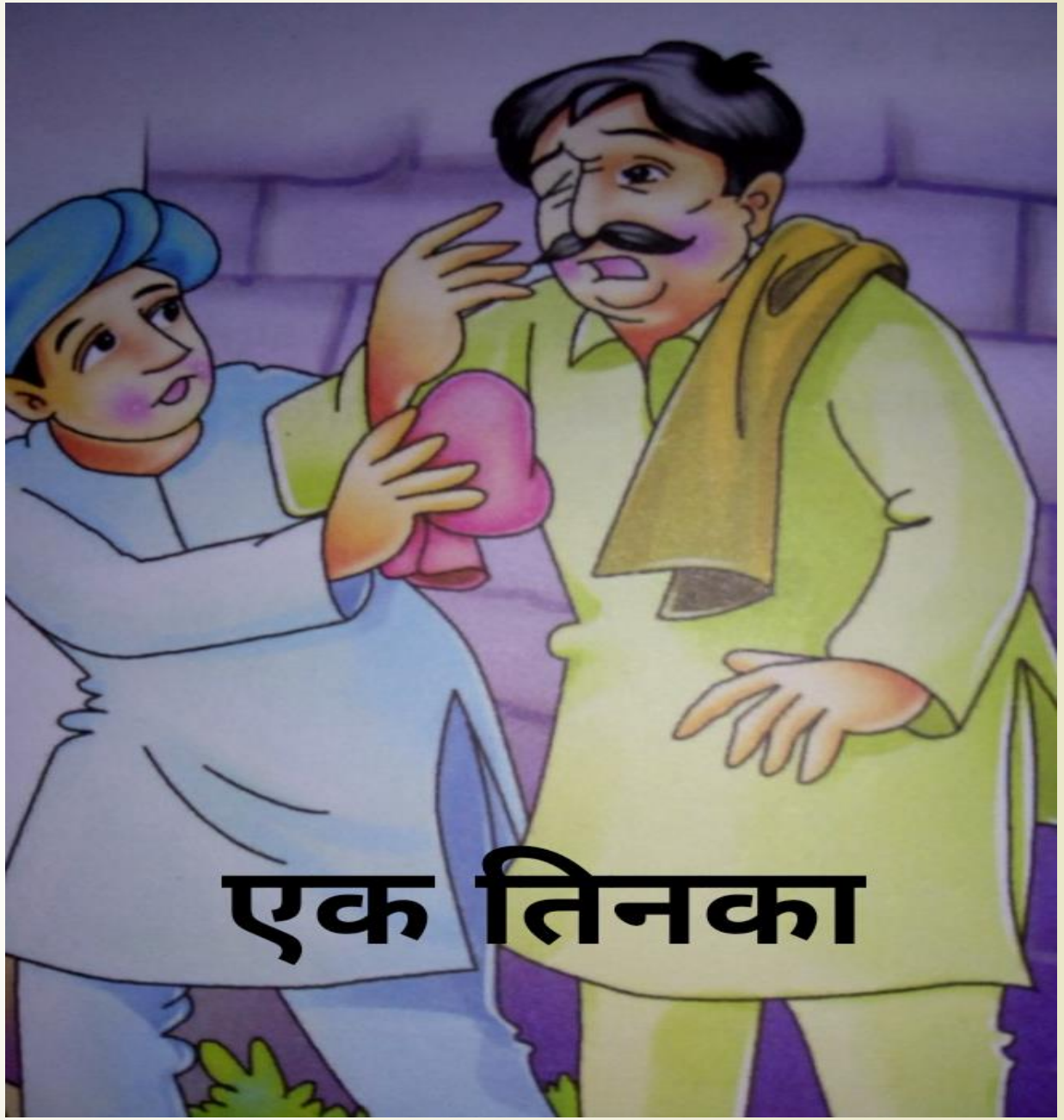

बच्चों! (एक तिनका का अर्थ है–सूखी घास का टुकड़ा) क्या आपने कभी एक तिनका देखा है?..... यहाँ दो तरह के चित्र दिए हैं एक में सूखा तिनका है और दूसरे में हरा तिनका है| अगर सोचो! हम सब की आँख में पेपर का टुकड़ा, मिट्टी का छोटा-सा कण या सूखी घास का तिनका हमारी आँख में चला जाए तो कितना दर्द देता है जैसे कवि को इस कविता में हुआ था|

हरा तिनका

सूखा तिनका

## एक तिनका कविता का सारांश इस तरह से है|

प्यारे बच्चों!

इस कविता के माध्यम से कवि 'हरिऔध' जी लोगों को घमंड नहीं करने की सलाह देते हैं। उनके अनुसार संसार में लोगों के अंदर घमंड कूट-कूटकर भरा होता है। घमंड में भरे हुए, वह किसी का भी अपमान कर देते हैं। उनके लिए बस यही आवश्यक होता है कि वह सबसे बड़े हैं। कवि ने अपने अनुभव से लोगों को संदेश देने का प्रयास किया है। कवि अपने समय में बहुत घमंडी व्यक्ति हुआ करता था। अपने घमंड में वह सबका अपमान करता था। एक दिन उसकी आँख में घास का एक तिनका गिर जाता है। उस तिनके के कारण उसे बहुत दर्द होता है। तिनके से मिले कष्ट से उसे ज्ञात होता है कि उसके घमंड को चूर करने के लिए एक तिनका ही बहुत है। वह इस घटना से सबक लेता है और घमंड को त्याग देता है। वह सबको भी यही सलाह देता है कि हमें घमंड नहीं करना चाहिए और सबके साथ प्रेम और सम्मान से रहना चाहिए।

प्यारे बच्चों! इस कविता को आप भी घर में पढ़ें ,समझें और याद करें|

म

एक दिन जब था मुंडेर पर खड़ा।
आ अचानक दूर से उड़ता हुआ,
एक तिनका आँख में मेरी पड़ा।

मैं झिझक उठा, हुआ बेचैन-सा,
लाल होकर आँख भी दुखने लगी।
मूँठ देने लोग कपड़े की लगे,
ऐंठ बेचारी दबे पाँवों भगी।

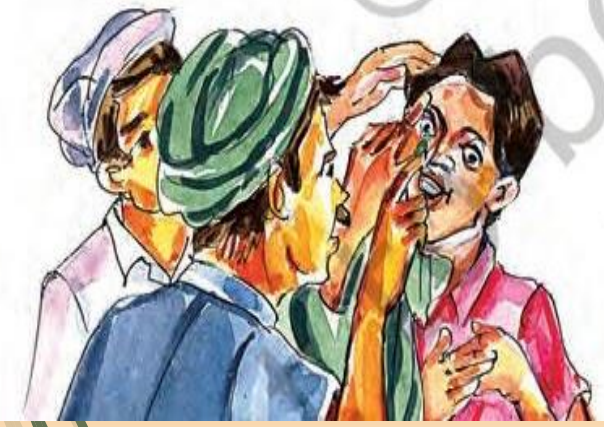

जब किसी ढब से निकल तिनका गया,
तब 'समझ' ने यों मुझे ताने दिए।
ऐंठता तू किसलिए इतना रहा,
एक तिनका है बहुत तेरे लिए।

© NCERT not to be republished

सीख- पहले पद में कवि ने घमंड न करने की सीख दी है|

मैं घमंडों में भरा ऐंठा हुआ ।
एक दिन जब था मुंडेरे पर खड़ा ।
आ अचानक दूर से उड़ता हुआ ।
एक तिनका आँख में मेरी पड़ा ।1।

कठिन शब्दार्थ – घमंड– अभिमान Pride , ऐंठा हुआ- घमंड में तनकर Arrogant
मुंडेरे- छत Roof , एक तिनका – सूखी घास का टुकड़ा Straw

**व्याख्या :-** एक तिनका कविता की इन पंक्तियों में कवि कहते हैं कि वह अपने घर की छत की मुंडेर पर घमंड में खड़े हुए हैं। उसी समय अचानक कहीं दूर से उड़ता हुआ एक सूखा तिनका आकर उनकी आँख में गिर जाता है|

सीख- दूसरे पद में कवि ने घमंड को हवा में उड़ा दिया है |

मैं झिझक उठा, हुआ बेचैन-सा।
लाल होकर आँख भी दुखने लगी।
मूँठ देने लोग कपड़े की लगे।
ऐंठ बेचारी दबे पाँवों भगी ।2।

कठिन शब्दार्थ –झिझक-संकोच Hesitation, मूँठ - कपड़े को मोड़ कर गोला बनाना Lump , ऐंठ- अकड़ self-conceit , दबे पाँवों भगी– चुपके से भाग जाना Buried feet

**व्याख्या :** - कवि कहते हैं कि आँख में तिनका चले जाने से उन्हें बड़ी ही बेचैनी होने लगती है उनकी आँख पलभर में लाल हो जाती है और दुखने लगती है। लोग कपड़े का उपयोग करके उनकी आँख से तिनका निकालने की कोशिश करने लगते हैं। इस दौरान उनकी अकड़ गायब हो जाती है अर्थात उसका सारा घमंड हवा में उड़ जाता है|

सीख- तीसरे पद में कवि की सोच ही उस पर व्यंग्य करती है|

जब किसी ढब से निकल तिनका गया ।
तब 'समझ' ने यों मुझे ताने दिए ।
ऐंठता तू किसलिए इतना रहा ।
एक तिनका है बहुत तेरे लिए ।3।

कठिन शब्दार्थ – ढब – तरीका Style , समझ – अक्ल Wise ,
ताने देना - परिहास Make Fun of Some one, ऐंठता - अकड़ना To be Arrogant

**व्याख्या:-** घमंड से भरे कवि की आँख में एक तिनका गिरते ही उसकी सारी अकड़ चूर हो जाती है| लोग जैसे-तैसे उसकी आँख से तिनका निकाल देते हैं। तो उन्हें थोड़ा आराम मिलता है| वह सोच में पड़ जाता है कि उन्हें किस बात का इतना घमंड है, उनके इस घमंड को तो एक मामूली से तिनके ने ही तोड़ कर रख दिया है।

इन पंक्तियों के माध्यम से कवि हमें भी घमंड से दूर रहने का संदेश दे रहे हैं वे कहते हैं चाहे इंसान कितना भी बड़ा हो जाए, उसका घमंड एक दिन चकना चूर हो ही जाता है।

# कविता के आधार पर चित्र वर्णन कीजिए|

# कक्षा कार्य-

## सुलेख , चित्र , शब्दार्थ

## चित्र वर्णन|

https://www.youtube.com/watch?v=gPEgDCtY6a0

खुश रहिए ! मुस्कराते रहिए ! स्वस्थ रहिए !